YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

सीजेपी के संसद मार्च में बवाल! पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

विषय सूची (Table of Contents):

>> सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके हिरासत में? शांतिपूर्ण मार्च पर पुलिस एक्शन का दावा...

>> मार्च का उद्देश्य और सांसदों से अपील...

>> स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से सीजेपी नेताओं की अहम मुलाक़ात, मांगों पर विचार का...

>> आंतरिक चर्चा और सकारात्मक आश्वासन...

>> जंतर-मंतर पर उमड़ी समर्थकों की भीड़ भीषण गर्मी से कई बेहोश, संसद कूच पर अड़े प्...

>> गर्मी और धक्का-मुक्की का असर...

>> नीट विवाद दीपके और आइसा छात्रों ने खत्म की भूख हड़ताल, शिक्षा मंत्री के इस्तीफ़...

>> भूख हड़ताल की समाप्ति और नया मोड़...

>> मुख्य मांगें ...

>> अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक, पति की जगह चलो संसद मार्च में उतरी गीतांजलि...

>> अदालत का फैसला और गीतांजलि की भागीदारी...

>> दिल्ली पुलिस का कड़ा पहरा नई दिल्ली में धारा 163 लागू, चप्पे-चप्पे पर मल्टी-लेव...

>> सुरक्षा इंतजाम और पुलिस एडवाइजरी...

>> निष्कर्ष संसद सत्र के बीच बढ़ा टकराव...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई 2026 को राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारी राजनीतिक और सामाजिक हलचल देखने को मिली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के चलो संसद मार्च के दौरान सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई। संसद भवन की ओर बढ़ रहे हजारों प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग की और स्थिति बेकाबू होने पर आंसू गैस के गोले छोड़े।

नीट (NEET) परीक्षा में हुई कथित धांधली और अनियमितताओं के विरोध में शुरू हुआ यह आंदोलन अब व्यापक रूप ले चुका है। प्रदर्शनकारी लगातार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। जंतर-मंतर पर हालात तब और ज़्यादा तनावपूर्ण हो गए जब पुलिस बल द्वारा प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके हिरासत में? शांतिपूर्ण मार्च पर

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पुलिस सीजेपी के संस्थापक और मुख्य आंदोलनकारी अभिजीत दीपके को अपने साथ हिरासत में लेकर कहीं चली गई है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि शांतिपूर्ण ढंग से मार्च निकाल रहे लोगों के साथ पुलिस ने सख्त रवैया अपनाया है।

मार्च का उद्देश्य और सांसदों से अपील

सीजेपी के संस्थापकों का कहना था कि वे हिंसा या उपद्रव करने नहीं, बल्कि जनहित से जुड़ी अपनी मांगों का ज्ञापन संसद भवन तक पहुंचाने जा रहे थे। पार्टी प्रवक्ता ने सभी सांसदों से अपील की है कि वे सदन के भीतर इस पुलिसिया बर्बरता और छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाएं।

>> शांतिपूर्ण प्रदर्शन का दावा:सीजेपी के अनुसार कार्यकर्ता पूरी तरह अहिंसक और अनुशासित तरीके से आगे बढ़ रहे थे।

>> अभिजीत दीपके की स्थिति:पार्टी ने दावा किया कि दीपके को पुलिस वैन में ले जाया गया है और उनका वर्तमान स्टेटस स्पष्ट नहीं है।

>> सांसदों से समर्थन की मांग:विपक्ष के नेताओं और सांसदों से संसद सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाने का अनुरोध किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से सीजेपी नेताओं की अहम मुलाकात

संसद मार्च से ठीक पहले उत्पन्न हुए गतिरोध के बीच सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आधिकारिक आवास पर उनसे मिलने पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे।

आंतरिक चर्चा और सकारात्मक आश्वासन

मुलाकात के बाद सीजेपी प्रवक्ताओं ने मीडिया को बताया कि उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को अपना मांग पत्र सौंपा है। जेपी नड्डा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि सरकार इन सभी मांगों पर आंतरिक रूप से विस्तृत चर्चा करेगी और उचित कदम उठाएगी।

इसी बीच अगर आप देश में जारी अन्य सरकारी भर्तियों के बारे में लेटेस्ट अपडेट (Latest Update 2026) जानना चाहते हैं, तोचाहिए सरकारी नौकरी? 4000 पदों पर बंपर भर्ती, अभी करें अप्लाईपर क्लिक करके पूरी सूची देख सकते हैं।

जंतर-मंतर पर उमड़ी समर्थकों की भीड़: भीषण गर्मी से कई बेहोश,

सोमवार सुबह 9 बजे से ही जंतर-मंतर पर देश के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे हजारों प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ जमा होने लगी थी। दिल्ली में प्रचंड गर्मी और उमस के बावजूद आंदोलनकारियों का उत्साह कम नहीं हुआ, हालांकि भीषण मौसम ने कई लोगों की तबीयत बिगाड़ दी।

गर्मी और धक्का-मुक्की का असर

प्रदर्शन के दौरान अत्यधिक गर्मी के कारण कई छात्र और कार्यकर्ता बेहोश होकर गिर पड़े। वहां मौजूद अन्य साथियों ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया और बाहर निकालने की कोशिश की। इसके बावजूद भीड़ का रुख संसद भवन की तरफ ही बना रहा।

>> हजारों की संख्या में जुटान:जंतर-मंतर से संसद मार्ग तक समर्थकों की लंबी कतारें देखी गईं।

>> स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं:पानी की कमी और तेज धूप के कारण कई प्रदर्शनकारियों को चक्कर आने की शिकायत हुई।

>> सुरक्षा बल तैनात:रैपिड एक्शन फोर्स (RAF) और दिल्ली पुलिस के जवानों ने मोर्चा संभाल रखा है।

नीट विवाद: दीपके और आइसा छात्रों ने खत्म की भूख हड़ताल, शिक्

नीट परीक्षा में कथित धांधली को लेकर चल रहा यह विरोध प्रदर्शन पिछले 23 दिनों से अनवरत जारी है। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (AISA) के सदस्य और सीजेपी संस्थापक पिछले तीन हफ्तों से भूख हड़ताल पर बैठे हुए थे।

भूख हड़ताल की समाप्ति और नया मोड़

रविवार को वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक दिग्गजों और नामचीन कलाकारों की भावुक अपील के बाद अभिजीत दीपके, नेहा, आमीन और मनीष ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। हालांकि भूख हड़ताल खत्म होने के बाद भी आंदोलन खत्म नही हुआ है, बल्कि इसे संसद मार्च के रूप में नया मोड़ दिया गया है।

मुख्य मांगें:

>> केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग।

>> नीट (NEET) परीक्षा प्रक्रिया की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच।

>> छात्रों के भविष्य की सुरक्षा के लिए पारदर्शी राष्ट्रीय परीक्षा नीति।

इसके अलावा अन्य ट्रेंडिंग अपडेट्स के लिए आपनागालैंड लॉटरी रिजल्ट आज: 1 करोड़ का बंपर प्राइज, चेक करें अभी!की जानकारी भी देख सकते हैं।

अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक, पति की जगह चलो संसद मार्च

प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी 28 जून से जंतर-मंतर पर अनशन पर थे। 23 दिनों के लगातार अनशन के कारण उनका

स्वास्थ्य बिगड़ गया, जिसके बाद शनिवार सुबह दिल्ली पुलिस ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया।

अदालत का फैसला और गीतांजलि की भागीदारी

रविवार दोपहर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोनम वांगचुक को अस्पताल से डिस्चार्ज करने की याचिका पर तुरंत राहत देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उनकी पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने कमान संभाली और घोषणा की कि वे अपने पति के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए संसद मार्च का नेतृत्व करेंगी। सोमवार को गीतांजलि सीजेपी नेताओं के साथ मार्च की अग्रिम पंक्ति में नजर आईं।

दिल्ली पुलिस का कड़ा पहरा: नई दिल्ली में धारा 163 लागू, चप्प

संसद के मॉनसून सत्र को ध्यान में रखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए हैं। पूरी नई दिल्ली रेंज में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 लागू कर दी गई है।

सुरक्षा इंतजाम और पुलिस एडवाइजरी

दिल्ली पुलिस ने पहले ही एडवाइजरी जारी कर स्पष्ट कर दिया था कि जंतर-मंतर के निर्धारित स्थान को छोड़कर 5 या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, बिना अनुमति विरोध मार्च निकालने पर सख्त प्रतिबंध है।

>> मल्टी-लेवल बैरिकेडिंग:जंतर-मंतर से संसद मार्ग तक 4 लेयर की लोहे और सीमेंट की बैरिकेडिंग लगाई गई है।

>> ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी:पूरे इलाके पर आसमान से नजर रखी जा रही है।

>> जनता से अपील:पुलिस ने आम नागरिकों से इस प्रदर्शन में शामिल न होने और नई दिल्ली की ओर आने वाले रास्तों से बचने की सलाह दी है।

यदि आप खेल जगत की खबरों में रुचि रखते हैं तो पढ़ें स्पर्स्स रलीगेशन से बचाव का अंतिम मौका! जानिए क्यों दे ज़र्बी भरोसा कर रहे हैंपर विस्तृत रिपोर्ट।

निष्कर्ष: संसद सत्र के बीच बढ़ा टकराव

सीजेपी के चलो संसद मार्च ने मॉनसून सत्र के पहले ही दिन केंद्र सरकार के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। एक तरफ जहां छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का गुस्सा थमने का नाम नही ले रहा है, वही प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सख्त है। अब देखना यह होगा कि स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के आश्वासन के बाद क्या सरकार इस मसले पर संसद में कोई आधिकारिक बयान देती है या

आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

यह प्रदर्शन संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू किया गया।

जंतर-मंतर पर लगाए गए मल्टी-लेवल बैरिकेड्स को तोड़कर जब प्रदर्शनकारी संसद भवन की ओर बढ़ने लगे, तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस का प्रयोग किया।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके हैं, जो इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

23 दिनों की लगातार भूख हड़ताल के कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया।

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने अपने पति की ओर से 'चलो संसद' मार्च में शिरकत की।

सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की।

उन्होंने ज्ञापन स्वीकार करते हुए कहा कि सरकार इन मांगों पर आंतरिक रूप से चर्चा करेगी।

सुरक्षा के मद्देनजर नई दिल्ली में बीएनएसएस (BNSS) की धारा 163 लागू की गई है, जिसके तहत 5 या उससे अधिक लोगों के जमावड़े पर रोक है।

प्रदर्शनकारी नीट परीक्षा की कथित अनियमितताओं के खिलाफ जांच और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

अभिजीत दीपके के अलावा आइसा के छात्र नेताओं - नेहा, आमीन और मनीष ने अपनी 23 दिनों से जारी भूख हड़ताल खत्म की।

सुरक्षा बलों ने करीब 4 लेयर की मल्टी-लेवल बैरिकेडिंग की है और भारी संख्या में पुलिस बल तथा आरएएफ (RAF) जवानों को तैनात किया गया है।

दिल्ली पुलिस ने आम जनता को किसी भी तरह के अवैध मार्च से दूर रहने और क्षेत्र में यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी है।